(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q.> कथात्मक गद्य विधाओं कहानी तथा उपन्यास में तुलना कीजिए।

कहानी और उपन्यास दोनों ही कथात्मक गद्य विधाएँ हैं और इनके कुछ समानताएँ तथा कुछ महत्वपूर्ण अंतर होते हैं। इन दोनों विधाओं को समझने के लिए प्रेमचंद का कथन बहुत प्रासंगिक है: कहानी एक गमला है और उपन्यास एक बगीचा। वहीं, बाबू गुलाबराय ने भी कहा है कि "कहानी के लघु उपन्यास की तुलना ठीक वैसे ही है, जैसे कि छोटे मेढ़क तथा भैंस को बड़ा मेंढक कहा जाए।" ये दोनों कथन कहानी और उपन्यास में

* इन दोनों मे समानताएँ :-

↳ दोनों ही कथात्मक गद्य विधाएँ हैं।

↳ दोनों में ही एक कथानक, पात्र, संवाद और एक निश्चित उद्देश्य होता है।

↳ दोनों का ही लक्ष्य पाठक का मनोरंजन करना और उन्हे किसी विचार या संदेश से अवगत कराना होता है।

(Examiner's remarks)

भूमिका को 25-30 शब्दों में लिखकर प्रभावी बनाएँ।

समीक्षकों में ठीक लिखना है।

तथ्यात्मक त्रुटियों से बचें।

बिंदुवार, उदाहरणों को भी शामिल करें।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

कहानी और उपन्यास में अंतर

→ कहानी का आकार में छोटी होती है। इसमें एक सीमित घटना होता है।

→ उपन्यास में इसका आकार विस्तृत होता है, जिसमें कई घटनाएँ पात्र, विस्तृत विवरण शामिल होते हैं।

→ कहानी में प्रायः एक ही मुख्य कथानक या घटना होती है, परन्तु उपन्यास में एक मुख्य के साथ कई सहायक कथानक होते हैं।

→ कहानी में पात्रों की संख्या सीमित होती है, उनके चरित्र का विकास भी सीमित दायरे में होता है, परन्तु उपन्यास में पात्रों की संख्या विस्तृत एवं उनके चरित्र बहुआयामी होते हैं।

→ कहानी की भाषा शैली प्रायः संक्षिप्त, सीधी, और प्रभावी होती है, ताकि पाठक सीधे मुख्य बिंदु तक पहुँच सके। परंतु उपन्यास में भाषा शैली अधिक विस्तृत वर्णनात्मक, विविध और अलंकृत हो सकती है।

→ कहानी में परिवेश और वातावरण का चित्रण सीमित है, उपन्यास में परिवेश और वातावरण का विस्तृत होता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवार इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidate must not write on this margin.

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि कहानी और उपन्यास, यद्यपि दोनों ही कथात्मक गद्य विधाएँ है, किन्तु उनके आकार, कथानक की जटिलता, पात्रों का विकास, के आधार पर उनमें मौलिक अंतर है।

निष्कर्ष में कहानी तथा उपन्यास की महत्ता को लिखे।

5/10

प्रिय अभ्यार्थी, शब्द सीमा का विशेष ध्यान रखें।